प्रारम्भिक संबोधन

माननीय सदस्यगण,

षोडश बिहार विधान सभा के द्वादश-सत्र के शुभारंभ पर आप सभी माननीय सदस्यों का मैं हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ ।

वर्त्तमान सत्र के दौरान कुल-7 (सात) बैठकें निर्धारित हैं जिसमें आज महामहिम राज्यपाल का अभिभाषण होगा । तत्पश्चात् उनके अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर विमर्श, वित्तीय वर्ष 2019-20 के आय-व्ययक का व्यवस्थापन एवं वित्तीय कार्यों के अलावा राजकीय विधेयक तथा गैर सरकारी संकल्प लिये जायेंगे ।

माननीय सदस्यगण, जनतंत्र में संप्रभुता आम जनता में निहित होती है । संसदीय प्रणाली में इस संप्रभुता का उपयोग चुने हुए जनप्रतिनिधियों के माध्यम से जनता के द्वारा किया जाता है । निर्वाचित जन-प्रतिनिधियों की संख्या के आधार पर सरकार का गठन होता है । भारतीय संविधान के मुताबिक सरकार इस सदन के प्रति जवाबदेह होती है । सामान्यतया पाँच साल के अन्तराल पर होने वाले चुनाव दर्शाते हैं कि राजनीतिक सत्ता का उद्‌गम आम जनता के बीच से है और सरकार को उसी के अनुरूप चलना चाहिए । भारतीय लोकतंत्र की यही खूबसूरती है कि जनता के निर्णय के अनुरूप सरकारें बनती हैं और जनतांत्रिक परम्परा के अनुसार हम सभी उस निर्णय को शिरोधार्य करते हैं ।

जनता द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधियों का यह सदन प्रजातंत्र का वह मंदिर है जिसमें जनकल्याणकारी विधियों एवं नीतियों का निर्माण होता है । इस परिप्रेक्ष्य में इस सदन में जितनी गंभीरता एवं संवेदनशीलता से जनसरोकारों पर विचार-विमर्श होगा उसी अनुपात में जनहित साधने में हम सफल होंगे । इसी प्रक्रिया के तहत लोकतंत्र मजबूत और कारगर बनेगा ।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि वर्त्तमान सत्र के सफल संचालन में आप सबों का सकारात्मक सहयोग मिलता रहेगा ।